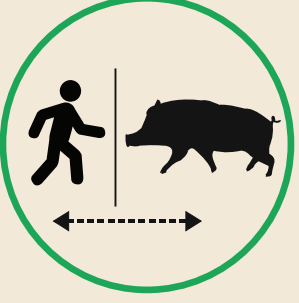




# जंगली सुअर देखने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें



जंगली सुअर से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें



इस जानवर को घेरे नहीं और इसे उकसाए नहीं; इससे यह आप पर आक्रमण कर सकता है



रात में जंगली सुअर वाले इलाकों से गुजरते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें, समूह में चलें और ऊंची आवाज़ में बातें करते रहें



जंगली सुअर के शावकों के पास न जाएं और उनका पीछा न करें क्योंकि उन्हें बचाने के लिए वयस्क सुअर आप पर आक्रमण कर सकता है



जंगली सुअर के बहुत पास आ जाने की स्थिति में तेज़ आवाज़ करें। उससे सुरक्षित दूरी स्थापित करने के बाद ही उस पर से अपनी नज़र हटाएं



जंगल में अकेले गैर-लकड़ी वन उत्पाद (एनटीएफपी) जैसे तेंदू पत्ता, महुआ फूल या बांस इकट्ठा करने न जाएं



गाँव या रास्ते में जंगली सुअर दिखने पर शांत रहें, धीरे-धीरे पीछे हो जाएं और उससे दूर चले जाएं



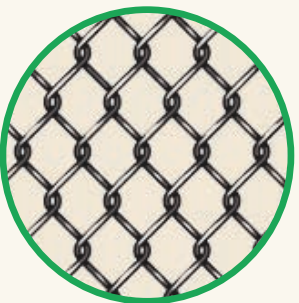
जानवर का पीछा न करें और उसे परेशान न करें। ऐसा करने से वह आप पर आक्रमण कर सकता है



जंगली सुअर और शावक या उसका झुंड सामने आ जाने पर अपने वाहन से न उतरें



जंगली सुअरों को पत्थर न मारें क्योंकि अपना बचाव करने के लिए वे आप पर आक्रमण कर सकते हैं



अपने खेतों को सुरक्षित रखने के लिए कलई चढ़े हुए इस्पात के बाड़ लगाएं जिसके पत्थर के आधार को कम-से-कम 1 फुट ज़मीन के अंदर ज़रूर दबा दें



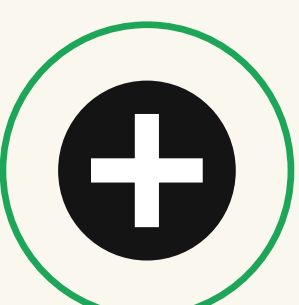
खुले में या सड़कों के किनारे कूड़ा और खाने से निकला कचरा न फेंकें



कूड़ेदानों/डिब्बों पर ढक्कन लगाकर रखें क्योंकि इनसे जंगली सुअर आकर्षित होते हैं



जंगल में या जंगल के आस पास शौच न करें; शौचालय का इस्तेमाल करें



जंगली सुअर के आक्रमण करने पर तुरंत पास के अस्पताल जाएं



जंगली सुअर के आक्रमण से लगी चोटें गंभीर होती हैं इसलिए तुरंत अस्पताल जाएं और खुद उसका उपचार न करें

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग  
2017 — 2023

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन  
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन



Implemented by  
giz  
Deutsche Gesellschaft  
für Internationale  
Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

